Seventeenth Loksabha

an>

Title : Need to confer Bharat Ratna Award on Jan Nayak Karpoori Thakur.

श्री छेदी पासवान (**सासाराम**): सभापति महोदय, बिहार के ग्यारहवें मुख्यमंत्री स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर आजीवन समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के संरक्षण के लिए संघर्षरत रहे। ग्रामीण पृष्ठ भूमि से आने वाले महान सपूत ने सामाजिक न्याय के लिए शासन के माध्यम से कई सफल प्रयोग किए। अपनी कालेज की पढ़ाई को छोड़कर वे 'अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन' में कूद पड़े और 26 माह तक उन्हें जेल यातना दी गई। स्वतंत्र भारत में भी टेल्को कामगारों के शोषण के विरुद्ध संघर्ष में उन्हें जेल यातना दी गई। जननायक कर्पूरी ठाकुर सम्पूर्ण क्रांति के अग्रणी सेनानी, महान समाजवादी चिंतक एवं गुदड़ी के लाल थे। एक ईमानदार शासक के रूप में उनकी प्रसिद्धि प्रेरणादायक है। स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर ने मैट्रिक के पाठ्यक्रम से अंग्रेजी भाषा की अनिवार्यता को समाप्त किया, जिससे बिहार के ग्रामीण पृष्ठभूमि के वंचित वर्ग के छात्र न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हासिल कर सकें और आगे उन्हें आरक्षण के माध्यम से लोक सेवाओं में भागीदार बनाएं। स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर सरीखे अप्रतिम राजनेता, पारदर्शी एवं ईमानदार व्यक्तिव के मुख्यमंत्री की रिक्ति को नहीं भरा जा सकता। अत: मेरा विशेष अनुरोध है कि स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को उचित सम्मान देने एवं उनकी स्मृतियों को ताजा रखने हेतु उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से शीघ्र विभूषित किया जाए।